
Q. Examine the geopolitical impact of the bilateral relationship between India and Sri Lanka.

The bilateral relationship between India and Sri Lanka holds substantial geopolitical significance, influencing not only the two countries but also the broader South Asian and Indo-Pacific regions. With shared historical, cultural, and economic ties, these nations collaborate on a wide array of issues that shape the regional geopolitical landscape.

Strategic Cooperation in the Indo-Pacific

- India's strategic investments in Sri Lanka, such as the **Trincomalee oil tank farms** and **wind power projects**, play a vital role in countering China's **String of Pearls** strategy in the Indo-Pacific.
- **Port development initiatives** at Colombo and Trincomalee enhance India's maritime presence in the region, vital for securing trade routes and ensuring maritime security.
- The **Maritime Rescue Coordination Centre (MRCC)**, jointly commissioned by India and Sri Lanka, strengthens regional maritime security and cooperation under the **Colombo Security Conclave**, which includes India, Sri Lanka, Maldives, and Mauritius.

Economic and Trade Ties

- India is Sri Lanka's largest trading partner and a major source of investment, with bilateral trade reaching \$6 billion in 2022. India's financial support to Sri Lanka, especially during its 2022 economic crisis, has solidified this relationship.
- The **India-Sri Lanka Free Trade Agreement (FTA)** and the proposed **Economic and Technology Cooperation Agreement (ETCA)** aim to deepen economic integration and foster mutual development.
- India's provision of **financial aid and concessional financing** to Sri Lanka, along with the **rupee for trade settlement**, strengthens India's influence in Sri Lanka's economic recovery.

Regional Groupings and Security Cooperation

- India and Sri Lanka are key members of regional groupings like **BIMSTEC** and **SAARC**, where they work together to foster regional cooperation and connectivity. Sri Lanka's increasing engagement with **BIMSTEC** provides India with opportunities to strengthen ties with Southeast Asia and other Indo-Pacific nations.
- Both countries engage in regular **military exercises**, such as **MITRA SHAKTI** and **SLINEX**, enhancing interoperability and defense cooperation in the Indian Ocean region.
- The **Colombo Security Conclave**, involving India, Sri Lanka, Maldives, and Mauritius, ensures security collaboration and strengthens regional stability in the Indo-Pacific.

The India-Sri Lanka relationship has significant geopolitical ramifications, shaping not only bilateral dynamics but also the strategic balance in the Indo-Pacific region. Cooperation in trade, defense, and regional security is vital for maintaining regional stability and countering external geopolitical influences.

प्रश्न: भारत और श्रीलंका के बीच द्विपक्षीय संबंधों के भू-राजनीतिक प्रभाव का परीक्षण करें।

भारत और श्रीलंका के बीच द्विपक्षीय संबंध भू-राजनीतिक महत्व रखते हैं, जो न केवल दोनों देशों को बल्कि व्यापक दक्षिण एशियाई और हिंद-प्रशांत क्षेत्रों को भी प्रभावित करते हैं। साझा ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और आर्थिक संबंधों के साथ, ये देश कई तरह के मुद्दों पर सहयोग करते हैं जो क्षेत्रीय भू-राजनीतिक परिदृश्य को आकार देते हैं।

हिंद-प्रशांत क्षेत्रों में रणनीतिक सहयोग

- श्रीलंका में भारत के रणनीतिक निवेश, जैसे कि त्रिकोमाली तेल टैंक फार्म और पवन ऊर्जा परियोजनाएं, हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की स्ट्रिंग ऑफ पलर्स रणनीति का मुकाबला करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।
- कोलंबो और त्रिकोमाली में बंदरगाह विकास पहल क्षेत्र में भारत की समुद्री उपस्थिति को बढ़ाती है, जो व्यापार मार्गों को सुरक्षित करने और समुद्री सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण है।
- भारत और श्रीलंका द्वारा संयुक्त रूप से कमीशन किया गया समुद्री बचाव समन्वय केंद्र (MRCC), कोलंबो सुरक्षा सम्मेलन के तहत क्षेत्रीय समुद्री सुरक्षा और सहयोग को मजबूत करता है, जिसमें भारत, श्रीलंका, मालदीव और मॉरीशस शामिल हैं।

आर्थिक और व्यापारिक संबंध

- भारत श्रीलंका का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार और निवेश का एक प्रमुख स्रोत है, जिसका द्विपक्षीय व्यापार 2022 में लगभग 6 बिलियन डॉलर तक पहुँच गया था। श्रीलंका को भारत की वित्तीय सहायता, विशेष रूप से 2022 के आर्थिक संकट के दौरान, ने इस संबंध को मजबूत किया है।
- भारत-श्रीलंका मुक्त व्यापार समझौता (FTA) और प्रस्तावित आर्थिक और प्रौद्योगिकी सहयोग समझौता (ETCA) का उद्देश्य आर्थिक एकीकरण को बेहतर करना और आपसी विकास को बढ़ावा देना है।
- भारत द्वारा श्रीलंका को वित्तीय सहायता और रियायती वित्तपोषण का प्रावधान, साथ ही व्यापार निपटान के लिए रुपए का प्रयोग, श्रीलंका की आर्थिक सुधार में भारत के प्रभाव को मजबूत करता है।

क्षेत्रीय समूह और सुरक्षा सहयोग

- भारत और श्रीलंका बिस्मटेक और सार्क जैसे क्षेत्रीय समूहों के प्रमुख सदस्य हैं, जहाँ वे क्षेत्रीय सहयोग और संपर्क को बढ़ावा देने के लिए मिलकर कार्य करते हैं। बिस्मटेक के साथ श्रीलंका की बढ़ती भागीदारी भारत को दक्षिण-पूर्व एशिया और अन्य इंडो-पैसिफिक देशों के साथ संबंधों को मजबूत करने के अवसर प्रदान करती है।
- दोनों देश नियमित रूप से मित्र शक्ति और स्लाइनेक्स जैसे सैन्य अभ्यासों में संलग्न हैं, जो हिंद महासागर क्षेत्र में अंतर-संचालन और रक्षा सहयोग को बढ़ाते हैं।
- कोलंबो सुरक्षा सम्मेलन, जिसमें भारत, श्रीलंका, मालदीव और मॉरीशस शामिल हैं, सुरक्षा सहयोग सुनिश्चित करता है और इंडो-पैसिफिक में क्षेत्रीय स्थिरता को मजबूत बनाता है।

भारत-श्रीलंका संबंधों के महत्वपूर्ण भू-राजनीतिक निहितार्थ हैं, जो न केवल द्विपक्षीय गतिशीलता को आकार देते हैं, बल्कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में रणनीतिक संतुलन के लिए भी महत्वपूर्ण हैं। क्षेत्रीय स्थिरता बनाए रखने और बाहरी भू-राजनीतिक प्रभावों का मुकाबला करने के लिए व्यापार, रक्षा और क्षेत्रीय सुरक्षा में सहयोग महत्वपूर्ण है।